Dance, song, 'yagya' mark BPSMV meet

TRIBUNE NEWS SERVICE

SONEPAT, FEBRUARY 24

The annual alumni meet of Bhagat Phool Singh Mahila Vishwavidyalaya (BPSMV), Khanpur Kalan, was organised on Saturday. Vice-Chancellor Sudesh said alumni were an invaluable asset to any institution and the alumni association was doing the important work of bringing them together.

She paid tribute to Bhagat Phool Singh, Behan Subhashini Devi and Saint Ravidas and urged the alumni to take the heritage of Bhagat Phool Singh forward.

This meet was organised by the alumni association and education department. The students presented cultural performances, including Haryanvi dance, a play, giddha, etc.

A 'yagya' ceremony was also organised in the university's 'yagyashala' to mark Bhagat Phool Singh's 139th birth anniversary.

The institution's Vice-chancellor Sudesh presented the Reena Abhishek Award, sponsored by alumnus Dr Reena, to BAMS (I) topper Ekta and BAMS (II) topper Tanvi. Former principal of MSM Institute of Ayurveda Dr Vijay Kaushik announced he would honour the topper of BAMS final year next year onwards.

On this occasion, former students Hukum Kaur, Sandhya, Dr Anjali, Poonam and others shared their student-life experiences. A few spots designated as 'selfie points' were the centre of attraction amongst guests.

Vice-Chancellor Sudesh with the alumni during the meet at BPSMV in Khanpur Kalan. TRIBUNE PHOTO

भगत फूल सिंह की तपोस्थली है महिला विवि

पाठ्यक्रम में भगत फूल सिंह की जीवनी शामिल करने की मांग

बीपीएस महिला विवि में सेल्फी प्वाइंट पर पूर्व छात्राओं के साथ महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश। संवाद

संवाद न्यूज एजेंसी

गोहाना। खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि यह महिला विश्वविद्यालय मात्र शिक्षण संस्थान ही नहीं बल्कि महान शिक्षाविद भगत फूल सिंह की तपोस्थली है।

कहा कि यह विश्वविद्यालय उनके बलिदान और उनकी प्रेरणा से नारी शिक्षा व सशक्तीकरण में जन भागीदारी का जीवंत उदाहरण है। उन्होंने यह बात भगत फूल सिंह की जयंती पर विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में कही।

इस दौरान विवि की यज्ञशाला में हवन करवाया गया। कहा कि भगत फूल सिंह के जीवन चरित्र व उनके त्याग की अवधारणा को आम जनमानस तक पहुंचाने के लिए भगत फूल सिंह की जीवनी को पाठ्यक्रम में शामिल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि भगत फूल सिंह ने विषम परिस्थितियों में कठिन संघर्ष करते हुए शिक्षा रूपी पौधे को लगाया था, जो आज विश्वविद्यालय रूपी वट वृक्ष बन गया है। भगत फूल सिंह और सुभाषिणी देवी के विचार व नारी शिक्षा में योगदान को जन-जन तक पहुंचाने के लिए उनसे जुड़े संस्मरणों का दस्तावेजीकरण प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा।

इस मौके पर कमला, ज्ञानवती, ब्रह्मवती, साहिब कौर, कुलसचिव प्रो. नीलम मलिक मौजूद रही।

महिला विवि भगत फूल सिंह की तपोस्थली : प्रो. सुदेश

भगत फूल सिंह का दर्शन विषयक दो क्रेडिट आधारित एड ऑन कोर्स शुरू किया जाएगा

गोहाना। यज्ञ में आहुतियां डालते हुए कुलपति प्रो. सुदेश व अन्य।

गोहाना। महिला विवि की पूर्व छात्राएं कुलपति प्रो. सुदेश व विवि के स्टाफ सदस्यों के साथ। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गोहाना

महिला विश्वविद्यालय मात्र शिक्षण संस्थान ही नहीं, बल्कि महान शिक्षाविद् भगत फूल सिंह की तपोस्थली है। यह विश्वविद्यालय उनके बलिदान और उनकी प्रेरणा से नारी शिक्षा व सशक्तिकरण में जन भागीदारी का जीवंत उदाहरण है। यह बात भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश ने शनिवार को भगत फूल सिंह की 139वीं जयंती पर उन्हें नमन करते हुए कही।

कार्यक्रम के अंतर्गत विश्वविद्यालय की यज्ञशाला में यज्ञ किया गया। यज्ञ में कुलपति प्रो. सुदेश तथा प्रो. हवा सिंह ने मुख्य यजमान के रूप में आहुति डाली। बहन शकुंतला देवी ने पूरे विधि-विधान से यज्ञ संपन्न कराया। यज्ञ के बाद प्रो. सुदेश ने घोषणा करते हुए कहा कि भगत फूल सिंह के जीवन चरित्र व उनके त्याग की अवधारणा को आम जनमानस तक पहुंचाने के लिए नई शिक्षा नीति-2020 के तहत गुरुकुल परंपरा और भगत फूल सिंह जी का दर्शन विषयक दो क्रेडिट आधारित एड ऑन कोर्स शुरू किया जाएगा। प्रो. सुदेश ने कहा कि विश्वविद्यालय समुदाय के लिए पुनः संकल्प लेने का अवसर है कि किस प्रकार भगत फूल सिंह ने विषम परिस्थितियों में कठिन संघर्ष करते हुए इस शिक्षा रूपी पौधे को लगाया। उनकी निःस्वार्थ सेवा के परिणाम स्वरूप यह पौधा आज विश्वविद्यालय रूपी वट वृक्ष बन गया है। इस अवसर पर बहन कमला, ज्ञानवती, ब्रह्मवती, साहिब कौर, कुलसचिव डॉ. नीलम मलिक सहित स्टाफ मौजूद रहे।

पूर्व छात्र संस्थान की अमूल्य धरोहर : प्रो. सुदेश

गोहाना। पूर्व छात्र किसी भी संस्थान की अमूल्य धरोहर होती हैं। एलुमनी एसोसिएशन विश्व भर में संस्थान का नाम ऊंचा कर रहे पूर्व छात्रों को एक मंच पर लाने का सशक्त प्लेटफार्म है। ये बात भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय, खानपुर कलां की कुलपति प्रो. सुदेश ने शनिवार आयोजित वार्षिक एलुमनी मीट-2024 को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए कही। यह कार्यक्रम एलुमनी एसोसिएशन तथा शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में विवि के शैक्षणिक खंड-एक स्थित बहुउद्देशीय हाल में आयोजित हुआ। कुलपति प्रो. सुदेश ने अपने संबोधन की शुरूआत महान शिक्षाविद् भगत फूल सिंह, बहन सुभाषिनी देवी और संत रविदास को नमन करते हुए की। उन्होंने पूर्व छात्रों का आह्वान किया कि वे भगत फूल सिंह की इस तपोस्थली की मजबूत सांस्कृतिक विरासत को सहेज कर रखें और इस धरोहर को आगे बढ़ाएं। समारोह की विशिष्ट अतिथि बहन कमला व शकुंतला रहीं। कार्यक्रम निदेशक एवं शिक्षा विभाग की अध्यक्ष डॉ. अनु बल्हारा ने कुलपति का स्वागत किया। डॉ. किरण कलकल ने एलुमनी एसोसिएशन की गत वर्ष की रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में एलुमनी एसोसिएशन द्वारा आर्थिक रूप से कमजोर छात्राओं को वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। इस अवसर पर छात्राओं द्वारा प्रस्तुत विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने उपस्थित जन का मन मोह लिया। जहां हरियाणवी नृत्य की थाप पर पूरा समागार थिरक उठा, वहीं लघु नाटिका के माध्यम से छात्र जीवन और हॉस्टल में बिताए पलों की यादें ताजा कर दी। कार्यक्रम में डीन, अकादमिक अफेयर्स प्रो. संकेत विज, कुलसचिव प्रो. नीलम मलिक, एलुमनाई निदेशक डॉ. विवेक अग्रवाल, डीन, छात्र कल्याण प्रो. श्वेता हुड्डा, परीक्षा नियंत्रक डॉ. संदीप दहिया, निदेशक जनसंपर्क ले.कर्नल (डॉ) अनिल बल्हारा सहित विभिन्न संकायों के डीन, विभागाध्यक्ष, प्राध्यापक, गैर शिक्षक कर्मी, शोधार्थी व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

टॉपर छात्राओं को किया सम्मानित

कुलपति प्रो. सुदेश ने पूर्व छात्रा डॉ रीना द्वारा प्रायोजित रीना अभिषेक अवार्ड बीएएमएस-1 की टॉपर एकता और बीएएमएस-2 की टॉपर तन्वी को प्रदान किया। एमएसएम आयुर्वेद संस्थान के पूर्व प्राचार्य डॉ विजय कौशिक ने अगले वर्ष से बीएएमएस अंतिम वर्ष के टॉपर को सम्मानित करने की घोषणा की।

भगत फूल सिंह जयंती पर हवन में आहुतियां दी

भगत फूल सिंह की जयंती पर हवन में आहुति डालती कुलपति।

भास्कर न्यूज | गोहाना

बीपीएस महिला विवि मात्र शिक्षण संस्थान ही नहीं, बल्कि महान शिक्षाविद् भगत फूल सिंह की तपोस्थली है। यह विवि उनके बलिदान और उनकी प्रेरणा से नारी शिक्षा व सशक्तिकरण में जन भागीदारी का जीवंत उदाहरण है। भगत फूल सिंह के जीवन चरित्र व उनके त्याग की अवधारणा को आम जनमानस तक पहुंचाने के लिए नई शिक्षा नीति-2020 के तहत गुरुकुल परंपरा और उनका दर्शन विषयक-2 क्रेडिट आधारित एड ऑन कोर्स शुरू किया जाएगा। यह घोषणा महिला विवि की कुलपति प्रो. सुदेश ने शनिवार को भगत फूल सिंह की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में की। इस दौरान उन्होंने भगत फूल सिंह को नमन करते हुए हवन में भी आहुति डाली।

प्रो. सुदेश ने कहा कि नारी शिक्षा और सशक्तिकरण के उद्देश्य को पूरा करने के लिए विवि प्रशासन लगातार प्रयत्नशील है। विवि में बहन सुभाषिनी देवी शोध पीठ की स्थापना की जा रही है। इसके बाद शकुंतला देवी ने भी भगत फूल सिंह के जीवन से जुड़ी यादें साझा की। इस मौके पर कमला, ज्ञानवती, ब्रह्मवती, साहिब कौर, कुलसचिव प्रो. नीलम मलिक मौजूद थे।

'भगत फूल सिंह की जीवनी पाठ्यक्रम में होगी शामिल'

हवन में आहुति डालते हुए कुलपति प्रो. सुदेश व प्रो. हवा सिंह ● सौ. विश्वविद्यालय

जागरण संवाददाता, गोहाना : भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि यह महिला विश्वविद्यालय मात्र शिक्षण संस्थान ही नहीं बल्कि महान शिक्षाविद भगत फूल सिंह की तपोस्थली है। यह विश्वविद्यालय उनके बलिदान और उनकी प्रेरणा से नारी शिक्षा व सशक्तिकरण में जन भागीदारी का जीवंत उदाहरण है। उन्होंने यह बात भगत फूल सिंह जयंती पर विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में कही। विश्वविद्यालय की यज्ञशाला में हवन करवाया गया।

प्रो. सुदेश ने कहा कि भगत फूल सिंह के जीवन चरित्र व उनके त्याग की अवधारणा को आम जनमानस तक पहुंचाने के लिए नई शिक्षा नीति के तहत गुरुकुल परंपरा और भगत फूल सिंह जी का दर्शन विषयक दो क्रेडिट आधारित एडआन कोर्स शुरू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि भगत फूल सिंह ने विषम परिस्थितियों में कठिन संघर्ष करते हुए शिक्षा रूपी पौधे को लगाया था, जो विश्वविद्यालय रूपी वट वृक्ष बन गया है। भगत फूल सिंह और बहन सुभाषिणी देवी के विचार व नारी शिक्षा में योगदान को जन-जन तक पहुंचाने के लिए उनसे जुड़े संस्मरणों का दस्तावेजीकरण प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा। विश्वविद्यालय में बहन सुभाषिणी देवी शोध पीठ की स्थापना की जा रही है। हवन में कुलपति प्रो. सुदेश और प्रो. हवा सिंह मुख्य यजमान रहे। बहन शकुंतला देवी ने पूरे विधि विधान से यज्ञ संपन्न कराया। बहन कमला, ज्ञानवती, ब्रह्मवती, साहिब कौर, कुलसचिव प्रो. नीलम मलिक मौजूद रही।

पूर्व छात्र संस्थान की अमूल्य धरोहर : प्रो. सुदेश

वि., गोहाना : भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय में शनिवार को पूर्व छात्र मिलन समारोह आयोजित किया गया। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि पूर्व छात्र किसी भी संस्थान के अमूल्य धरोहर हैं। पूर्व छात्राओं ने कार्यक्रम में अपने अनुभव साझा किए। डा. किरण कलकल ने एलुमनी एसोसिएशन की गत वर्ष की रिपोर्ट प्रस्तुत की और गतिविधियों का ब्योरा दिया। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में एसोसिएशन द्वारा आर्थिक रूप से कमजोर छात्राओं को वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। छात्राओं ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। लघु नाटिका के माध्यम से छात्र जीवन और हास्टल में बिताए पलों की यादें ताजा कर दी। कुलपति प्रो. सुदेश ने पूर्व छात्रा डा. रीना द्वारा प्रायोजित रीना अभिषेक अवार्ड बीएएमएस-एक की टापर एकता और बीएएमएस-दो की टापर तन्वी को प्रदान किया। एमएसएम आयुर्वेद संस्थान के पूर्व प्राचार्य डा. विजय कौशिक ने अगले वर्ष से बीएएमएस अंतिम वर्ष के टापर को सम्मानित करने की घोषणा की। 1966 बैच की जेबीटी छात्रा हुकुम कौर, असिस्टेंट प्रोफेसर अंजलि श्योकंद, संध्या व पूनम नरवाल ने छात्र जीवन की यादें ताजा की। समारोह स्थल पर बनाए गए सेल्फी प्वाइंट पर पूर्व छात्राओं ने सेल्फी ली। इस मौके पर डीन अकादमिक अफेयर्स प्रो. संकेत विज, कुलसचिव प्रो. नीलम मलिक, एलुमनाई निदेशक डा. विवेक अग्रवाल, डीन, छात्र कल्याण प्रो. श्वेता हुड्डा, परीक्षा नियंत्रक डा. संदीप दहिया, डा. अनु बल्हारा, डा. अनिल बल्हारा मौजूद रहे।

महिला विश्वविद्यालय में हवन कर महान शिक्षाविद को किया नमन

खानपुर कलां, गिरीश सैनी (ऋषि की आवाज ब्यूरो)। महिला विश्वविद्यालय मात्र शिक्षण संस्थान ही नहीं, बल्कि महान शिक्षाविद भगत फूल सिंह की तपोस्थली है। यह विश्वविद्यालय उनके बलिदान और उनकी प्रेरणा से नारी शिक्षा व सशक्तिकरण में जन भागीदारी का जीवंत उदाहरण है। यह उद्गार भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो सुदेश ने भगत फूल सिंह की 139वीं जयंती पर उन्हें नमन करते हुए व्यक्त किए। विश्वविद्यालय

यज्ञशाला में आयोजित हवन-यज्ञ कार्यक्रम के पश्चात कुलपति प्रो सुदेश ने घोषणा करते हुए कहा कि भगत फूल सिंह के जीवन चरित्र व उनके त्याग की अवधारणा को आम जनमानस तक पहुंचाने के लिए नई शिक्षा नीति-2020 के तहत ÷गुरुकुल परंपरा और भगत फूल सिंह जी का दर्शन÷ विषयक 2 क्रेडिट आधारित एड ऑन कोर्स शुरू किया जाएगा।

हवन यज्ञ कार्यक्रम में कुलपति प्रो सुदेश तथा प्रो हवा सिंह ने मुख्य यजमान के रूप में आहुति डाली। बहन शकुंतला देवी ने पूरे विधि विधान से यज्ञ संपन्न कराया। यज्ञ उपरांत भगत फूल सिंह को नमन करते हुए कुलपति प्रो सुदेश ने कहा कि यह आयोजन केवल हवन मात्र नहीं है, बल्कि विश्वविद्यालय समुदाय के लिए पुनः संकल्प लेने का अवसर है कि किस प्रकार भगत फूल सिंह जी ने विषम परिस्थितियों में कठिन संघर्ष करते हुए इस शिक्षा रूपी पौधे को लगाया। उनके निस्वार्थ सेवा के उद्देश्य और संकल्प के परिणाम स्वरूप यह पौधा आज विश्वविद्यालय रूपी वट वृक्ष बन गया है। कुलपति प्रो सुदेश ने कहा कि नारी शिक्षा और सशक्तिकरण के उद्देश्य को पूरा करने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन लगातार प्रयत्नशील है। उन्होंने कहा कि भगत फूल सिंह और बहन सुभाषिनी देवी के विचार व नारी शिक्षा में योगदान को जन-जन तक पहुंचाने के लिए उनसे जुड़े संस्मरणों का दस्तावेजीकरण प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा। इसी उद्देश्य के साथ विश्वविद्यालय में बहन सुभाषिनी देवी शोध पीठ की स्थापना की जा रही है।

कुलपति प्रो सुदेश ने पूर्व छात्रों से किया सांस्कृतिक विरासत को सहेज कर रखने का आह्वान

खानपुर कलां, चेतना संवाददाता। पूर्व छात्र किसी भी संस्थान की अमूल्य धरोहर होती हैं। एलुमनी एसोसिएशन विश्व भर में संस्थान का नाम ऊंचा कर रहे पूर्व छात्रों को एक मंच पर लाने का सशक्त ह्लेटफार्म है। ये बात भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय, खानपुर कलां की कुलपति प्रो सुदेश ने शनिवार को आयोजित वार्षिक एलुमनी मीट-2024 को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए कही। कुलपति प्रो सुदेश ने अपने संबोधन की शुरुआत महान शिक्षाविद भगत फूल सिंह, बहन

सुभाषिनी देवी और संत रविदास को नमन करते हुए की। उन्होंने कहा कि सभागार में मौजूद पूर्व छात्रों के चेहरे का उल्लास बता रहा है कि वह यहां आकर कितनी खुशी अनुभव कर रहे हैं। उन्होंने पूर्व छात्रों का आह्वान किया कि वे भगत फूल सिंह की इस तपोस्थली की मजबूत सांस्कृतिक विरासत को सहेज कर रखें और इस धरोहर को आगे बढ़ाएं। कुलपति प्रो सुदेश ने कहा कि भगत फूल सिंह की नारी शिक्षा व सशक्तिकरण की अवधारणा ने महिलाओं को बराबरी दिलाने में अहम भूमिका निभाई है। आज विज्ञान, तकनीक सहित हर क्षेत्र में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी नजर आती है।

उन्होंने अपने संबोधन में गीतों व अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों में नारी चित्रण को मर्यादा व आदर के साथ प्रस्तुत करने की बात भी कही। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय के शैक्षणिक विकास के लिए पूर्व छात्र अपने सुझाव व विचार अवश्य साझा करें। विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खंड-एक स्थित बहुउद्देशीय हाल में आयोजित इस कार्यक्रम का आयोजन एलुमनी एसोसिएशन तथा शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में किया गया।

मुख्य अतिथि कुलपति प्रो सुदेश ने अन्य गणमान्य अतिथियों के साथ दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में बहन कमला व शकुंतला उपस्थित रही। कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे सभी पूर्व छात्रों का तिलक कर स्वागत किया गया।

Skyscanner Guwahati to Shillong from Rs531 View

INNOCENT HEARTS GROUP OF SCHOOLS Jalandhar, Punjab ADMISSION OPEN SESSION 2024-2025 Pre-school to Grade IX & XI More info 1800 833 4600 Visit WWW.IHGI.IN Registration Starts from December 01, 2023

Skyscanner Guwahati to Shillong from Rs531 View

Hindi News

भगत फूल सिंह का जीवन चरित्र आम जनमानस तक पहुंचाने के लिए एड ऑन कोर्स शुरू किया जाएगा: कुलपति प्रो सुदेश

महिला विश्वविद्यालय में हवन कर महान शिक्षाविद को किया नमन।

Girish Saini Feb 24, 2024 10:13

HAMPTON HOMES BUILDING AN AFFORDABLE TOMORROW 300+ FAMILIES STRONG RERA NO : PBRERA-LDH44-PR0449

खानपुर कलां, गिरीश सैनी। महिला विश्वविद्यालय मात्र शिक्षण संस्थान ही नहीं, बल्कि महान शिक्षाविद् भगत फूल सिंह की तपोस्थली है। यह विश्वविद्यालय उनके बलिदान और उनकी प्रेरणा से नारी शिक्षा व सशक्तिकरण में जन भागीदारी का जीवंत उदाहरण है। यह उद्गार भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो सुदेश ने शनिवार को भगत फूल सिंह की 139 वीं जयंती पर उन्हें नमन करते हुए व्यक्त किए। विश्वविद्यालय यज्ञशाला में आयोजित हवन-यज्ञ कार्यक्रम के पश्चात कुलपति प्रो सुदेश ने घोषणा करते हुए कहा कि भगत फूल सिंह के जीवन चरित्र व उनके त्याग की अवधारणा को आम जनमानस तक पहुंचाने के लिए नई शिक्षा नीति-2020 के तहत "गुरुकुल परंपरा और भगत फूल सिंह जी का दर्शन" विषयक दो क्रेडिट आधारित एड ऑन कोर्स शुरू किया जाएगा।

हवन यज्ञ कार्यक्रम में कुलपति प्रो सुदेश तथा प्रो हवा सिंह ने मुख्य यजमान के रूप में आहुति डाली। बहन शकुंतला देवी ने पूरे विधि विधान से यज्ञ संपन्न कराया।

यज्ञ उपरांत भगत फूल सिंह को नमन करते हुए कुलपति प्रो सुदेश ने कहा कि यह आयोजन केवल हवन मात्र नहीं है, बल्कि विश्वविद्यालय समुदाय के लिए पुनः संकल्प लेने का अवसर है कि किस प्रकार भगत फूल सिंह जी ने विषम परिस्थितियों में कठिन संघर्ष करते हुए इस शिक्षा रूपी पौधे को लगाया। उनके निस्वार्थ सेवा के उद्देश्य और संकल्प के परिणाम स्वरूप यह पौधा आज विश्वविद्यालय रूपी वट वृक्ष बन गया है।

कुलपति प्रो सुदेश ने कहा कि नारी शिक्षा और सशक्तिकरण के उद्देश्य को पूरा करने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन लगातार प्रयत्नशील है। उन्होंने कहा कि भगत फूल सिंह और बहन सुभाषिनी देवी के विचार व नारी शिक्षा में योगदान को जन-जन तक पहुंचाने के लिए उनसे जुड़े संस्मरणों का दस्तावेजीकरण प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा। इसी उद्देश्य के साथ विश्वविद्यालय में बहन सुभाषिनी देवी शोध पीठ की स्थापना की जा रही है।

Ketto I'm a helpless father

इस अवसर पर बहन शकुंतला देवी ने भी भगत फूल सिंह के जीवन से जुड़ी यादें साझा की। हवन यज्ञ कार्यक्रम के पश्चात कुलपति व अन्य अतिथियों ने विश्वविद्यालय परिसर स्थित भगत फूल सिंह की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए। इस दौरान बहन कमला, ज्ञानवती, ब्रह्मवती, साहिब कौर, कुलसचिव प्रो नीलम मलिक सहित प्राध्यापक, शोधार्थी, विद्यार्थी, गैर शिक्षक कर्मी एवं कन्या गुरुकुल विद्यापीठ की छात्राएं मौजूद रही।

Tags: Add on course | biography of Bhagat Phool Singh | VC Prof. Sudesh

PREVIOUS ARTICLE
कुलपति प्रो सुदेश ने पूर्व छात्रों से किया सांस्कृतिक विरासत को सहेज कर रखने का...

NEXT ARTICLE
BJP is delivering to people on its promises and taking the ideas of India forward,...

RELATED POSTS

कुलपति प्रो सुदेश ने पूर्व छात्रों से किया सांस्कृतिक विरासत...

कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने किया स्पोर्ट्स मीट का उद्घाटन

छात्राओं को सिखाई पॉट पेंटिंग एवं पॉट सज्जा

COMMENTS
Name
Email
Comment
I'm not a robot reCAPTCHA Privacy - Terms
Post Comment

SATURDAY 24TH OF FEBRUARY 2024 10:45:40 PM

POPULAR POSTS
Weekly Posts
61st Annual Fair of Shree Sidh Baba Keshav Nath Ji celebrated...
Bharat Financial Inclusion Limited bags the best CSR initiative...
'ਆਪ ਦੀ ਸਰਕਾਰ, ਆਪ ਦੇ ਦੁਆਰ' ਤਹਿਤ ਜ਼ਿਲ੍ਹੇ 'ਚ ਆਯੋਜਿਤ ਕੈਂਪਾਂ...
Actor Binnu Dhillon opens TVISVA Jewels outlet
Farmers protest: Who's graph on stake (IANS Column: FairPoint)

FOLLOW US
Facebook Twitter Pinterest Linkedin Youtube Email

RECOMMENDED POSTS
Nation 'Farmers first' policy is Modi govt's resolve to boost...
(IANS Review) 'Article 370' sets the record straight on...
Surily G's return to the runway
Consuming over 22 per cent protein daily may clog your...
Farmers protest: Who's graph on stake (IANS Column: FairPoint)
Protect our Constitution, says Himachal CM on R-Day

GUEST POST
For advertisement, news, article, guest post, feature etc please contact us: cityairnews@gmail.com

© 2020 Cityairnews - All Rights Reserved. Designed & Developed By: TechieFormation

NNNOW Sale
NNNOW.com

INNOCENT HEARTS GROUP OF SCHOOLS
Learning Today... Leading Tomorrow!
Jalandhar, Punjab
InnoKids
ADMISSION OPEN
SESSION 2024-2025
Pre-school to Grade IX & XI*
More info 1800 833 4600
Visit WWW.IHGI.IN
Registration Starts from December 01, 2023
Our Campuses in Jalandhar
★ Green Model Town
★ Cantt.-Jandiala Road
★ Nakodar Road
★ Pathankot Road
★ Kapurthala Road
★ ELCC, Central Town

संगम के महाकुम्भ के अवसर पर
37 वीं विशाल शोभा यात्रा
शिवरात्रि महोत्सव कमेटी (रजि:)
यात्रा मार्ग: शिव मंदिर (गऊघाट), बाजवा नगर, रामलीला मैदान दरेसी, ...
घंटाघर चौंक, गिरजाघर चौंक, 3 नं: डिवीज़न चौंक, ख्वाजा कोठी ...
आकर्षण

Hindi News

कुलपति प्रो सुदेश ने पूर्व छात्रों से किया सांस्कृतिक विरासत को सहेज कर रखने का आह्वान

बीपीएसएमवी की वार्षिक एलुमनी मीट में पूर्व छात्राओं ने विद्यार्थी जीवन को याद किया।

Girish Saini Feb 24, 2024 10:10

Facebook | Twitter

HAMPTON HOMES BUILDING AN AFFORDABLE TOMORROW
300+ FAMILIES STRONG
RERA NO: PBRERA-LDH44-PR0449

खानपुर कलां, गिरीश सैनी। पूर्व छात्र किसी भी संस्थान की अमूल्य धरोहर होती हैं। एलुमनी एसोसिएशन विश्व भर में संस्थान का नाम ऊंचा कर रहे पूर्व छात्रों को एक मंच पर लाने का सशक्त प्लेटफार्म है। ये बात भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय, खानपुर कलां की कुलपति प्रो सुदेश ने शनिवार को आयोजित वार्षिक एलुमनी मीट-2024 को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए कही।

कुलपति प्रो सुदेश ने अपने संबोधन की शुरुआत महान शिक्षाविद भगत फूल सिंह, बहन सुभाषिनी देवी और संत रविदास को नमन करते हुए की। उन्होंने कहा कि सभागार में मौजूद पूर्व छात्रों के चेहरे का उल्लास बता रहा है कि वह यहां आकर कितनी खुशी अनुभव कर रहे हैं। उन्होंने पूर्व छात्रों का आह्वान किया कि वे भगत फूल सिंह की इस तपोस्थली की मजबूत सांस्कृतिक विरासत को सहेज कर रखें और इस धरोहर को आगे बढ़ाएं। कुलपति प्रो सुदेश ने कहा कि भगत फूल सिंह की नारी शिक्षा व सशक्तिकरण की अवधारणा ने महिलाओं को बराबरी दिलाने में अहम भूमिका निभाई है। आज विज्ञान, तकनीक सहित हर क्षेत्र में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी नजर आती है। उन्होंने अपने संबोधन में गीतों व अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों में नारी चित्रण को मर्यादा व आदर के साथ प्रस्तुत करने की बात भी कही। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय के शैक्षणिक विकास के लिए पूर्व छात्र अपने सुझाव व विचार अवश्य साझा करें।

विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खंड-एक स्थित बहुउद्देशीय हाल में आयोजित इस कार्यक्रम का आयोजन एलुमनी एसोसिएशन तथा शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। मुख्य अतिथि कुलपति प्रो सुदेश ने अन्य गणमान्य अतिथियों के साथ दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में बहन कमला व शकुंतला उपस्थित रही।

कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे सभी पूर्व छात्रों का तिलक कर स्वागत किया गया। कार्यक्रम निदेशक एवं शिक्षा विभाग की अध्यक्ष डॉ अनु बल्हारा ने कुलपति का स्वागत किया। डॉ किरण कलकल ने एलुमनी एसोसिएशन की गत वर्ष की रिपोर्ट प्रस्तुत की और गतिविधियों का ब्यौरा दिया। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में एलुमनी एसोसिएशन द्वारा आर्थिक रूप से कमजोर छात्राओं को वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी।

इस अवसर पर छात्राओं द्वारा प्रस्तुत विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने उपस्थित जन का मन मोह लिया। जहां हरियाणवी नृत्य की थाप पर पूरा सभागार थिरक उठा, वहीं लघु नाटिका के माध्यम से छात्र जीवन और हॉस्टल में बिताए पलों की यादें ताजा कर दी। हरियाणवी गीत और पंजाबी गिद्धे की धुनों पर भी सभागार में मौजूद पूर्व छात्राओं ने जमकर ताल मिलाई।

कुलपति प्रो सुदेश ने पूर्व छात्रा डॉ रीना द्वारा प्रायोजित रीना अभिषेक अवार्ड बीएएमएस-1 की टॉपर एकता और बीएएमएस-2 की टॉपर तन्वी को प्रदान किया। एम.एस.एम. आयुर्वेद संस्थान के पूर्व प्राचार्य डॉ विजय कौशिक ने अगले वर्ष से बीएएमएस अंतिम वर्ष के टॉपर को सम्मानित करने की घोषणा की।

इस अवसर पर पूर्व छात्राओं ने अपने छात्र जीवन के अनुभव भी साझा किए। 1966 बैच की जेबीटी छात्रा हुकुम कौर ने अपने स्कूली दिनों को याद किया। वहीं वर्तमान में असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर कार्यरत शिक्षा विभाग की पूर्व छात्रा अंजलि श्योकंद ने छात्र जीवन की यादें ताजा करते हुए अपने शिक्षकों को याद किया। विधि विभाग की 2007 बैच की छात्रा संध्या ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि आज वे एक बहुराष्ट्रीय कंपनी में अपनी सेवाएं दे रही हैं और इस मुकाम तक पहुंचने में विश्वविद्यालय का बहुत बड़ा योगदान है। पूर्व छात्रा पूनम नरवाल ने एक प्रभावशाली कविता के माध्यम से छात्र जीवन की यादें ताजा की। समारोह स्थल पर बनाए गए सेल्फी प्वाइंट पूर्व छात्राओं के बीच आकर्षण का केंद्र रहे और छात्राएं अपनी साथी छात्राओं के साथ सेल्फी खींचती नजर आई।

इस कार्यक्रम में डीन, अकादमिक अफेयर्स प्रो संकेत विज, कुलसचिव प्रो नीलम मलिक, एलुमनाई निदेशक डॉ विवेक अग्रवाल, डीन, छात्र कल्याण प्रो श्वेता हुड्डा, परीक्षा नियंत्रक डॉ संदीप दहिया, निदेशक जनसंपर्क ले.कर्नल (डॉ) अनिल बल्हारा सहित विभिन्न संकायों के डीन, विभागाध्यक्ष, प्राध्यापक, गैर शिक्षक कर्मी, शोधार्थी व विद्यार्थी मौजूद रहे।

Tags: Vice Chancellor Prof. Sudesh | called upon alumni | preserve cultural heritage

PREVIOUS ARTICLE
Delhi Waqf Board case: Court to pronounce order on AAP legislator's anticipatory...

NEXT ARTICLE
भगत फूल सिंह का जीवन चरित्र आम जनमानस तक पहुंचाने के लिए एड ऑन कोर्स शुरू किया जाएगा:...

RELATED POSTS
भगत फूल सिंह का जीवन चरित्र आम जनमानस तक पहुंचाने के लिए...
कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने किया स्पोटर्स मीट का उद्घाटन
छात्राओं को सिखाई पॉट पेंटिंग एवं पॉट सज्जा

COMMENTS
Name
Email
Comment
I'm not a robot
reCAPTCHA Privacy - Terms
Post Comment

SATURDAY 24TH OF FEBRUARY 2024 10:46:12 PM

POPULAR POSTS
Weekly Posts
61st Annual Fair of Shree Sidh Baba Keshav Nath Ji celebrated...
Bharat Financial Inclusion Limited bags the best CSR initiative...
'ਆਪ ਦੀ ਸਰਕਾਰ, ਆਪ ਦੇ ਦੁਆਰ' ਤਹਿਤ ਜ਼ਿਲ੍ਹੇ 'ਚ ਆਯੋਜਿਤ ਕੈਂਪਾਂ...
Actor Binnu Dhillon opens TVISVA Jewels outlet
Farmers protest: Who's graph on stake (IANS Column: FairPoint)

FOLLOW US
Facebook | Twitter | Pinterest | Linkedin | Youtube | Email

RECOMMENDED POSTS
Nation
'Farmers first' policy is Modi govt's resolve to boost...
(IANS Review) 'Article 370' sets the record straight on...
Surily G's return to the runway
Consuming over 22 per cent protein daily may clog your...
Farmers protest: Who's graph on stake (IANS Column: FairPoint)
Protect our Constitution, says Himachal CM on R-Day

GUEST POST
For advertisement, news, article, guest post, feature etc please contact us: cityairnews@gmail.com

© 2020 Cityairnews - All Rights Reserved. Designed & Developed By: TechieFormation

-40% -40% -40% NNNOW Use Code: THCK10 NNNOW.com

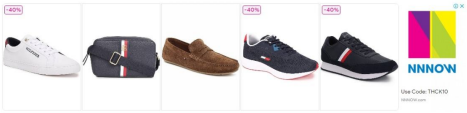

INNOCENT HEARTS GROUP OF SCHOOLS Learning Today.... Leading Tomorrow ! InnoKids Jalandhar, Punjab
ADMISSION OPEN SESSION 2024-2025 Pre-school to Grade IX & XI*
More info 1800 833 4600 Visit WWW.IHGI.IN
Registration Starts from December 01, 2023
Our Campuses in Jalandhar: Green Model Town, Cantt.-Jandiala Road, Nakodar Road, Pathankot Road, Kapurthala Road, ELCC, Central Town

37 वीं विशाल शोभा यात्रा
शिवरात्रि महोत्सव कमेटी (रजि:) लुधियाना की तरफ से
वीरवार 7 मार्च 2024
यात्रा मार्ग: शिव मंदिर (गऊघाट), बाजवा नगर, रामलीला मैदान दरेसी, मीना बाजार चौक, माता रानी चौक, घंटाघर चौक, गिरजाघर चौक, 3 नं: डिवीज़न चौक, ख्वाजा कोठी चौक, शिवाला संगलावाला मंदिर
आकर्षण

Education

Bhagat Phool Singh's vision of women education and empowerment played an important role in providing equality to women: VC Prof Sudesh

Alumni are an invaluable asset of any institution and Alumni Association is an important platform to bring them together. Prof. Sudesh, Vice Chancellor of Bhagat Phool Singh Mahila Vishwavidyalaya, Khanpur Kalan, said this as the chief guest of the Annual Alumni Meet-2024 organized today.

Girish Saini Feb 24, 2024 09:00

Facebook Twitter

HAMPTON HOMES BUILDING AN AFFORDABLE TOMORROW 300+ FAMILIES STRONG RERA NO: PBRERA-LDH44-PR0449

Khanpur Kalan, February, 24, 2024: Alumni are an invaluable asset of any institution and Alumni Association is an important platform to bring them together. Prof. Sudesh, Vice Chancellor of Bhagat Phool Singh Mahila Vishwavidyalaya, Khanpur Kalan, said this as the chief guest of the Annual Alumni Meet-2024 organized today.

VC Prof. Sudesh paid tribute to the great educationist Bhagat Phool Singh, Behan Subhashini Devi and Saint Ravidas. She urged the alumni to take forward the strong cultural heritage of Bhagat Phool Singh. She said alumni across the world are making the institute proud.

VC Prof. Sudesh said that Bhagat Phool Singh's concept of women education and empowerment has played an important role in providing equality to women. Today, active participation of women is seen in every field including science and technology. She also appealed to portray the women in songs and other cultural programs with dignity and respect. The VC said that the alumni must share their suggestions and ideas for the academic development of the university.

Vice Chancellor Prof. Sudesh along with other distinguished guests formally inaugurated the program by lighting the lamp. This alumni meet was organized by Alumni Association and the Education Department. Program Director and Chairperson of the Education Department, Dr. Anu Balhara welcomed the Chief Guest and other dignitaries. Dr. Kiran Kalkal presented the annual report of the Alumni Association. She said that the Alumni Association will provide financial help to economically weaker girl students. Various cultural programs including haryanvi dance, play, punjabi giddha etc presented by the students enthralled the audiences.

Earlier in the morning, VC Prof. Sudesh along with University stakeholders paid rich tributes to Bhagat Phool Singh on his 139th birth anniversary today. A Havan program was organized in University Yagyashala.

Vice Chancellor Prof. Sudesh presented the Reena Abhishek Award, sponsored by alumnus Dr. Reena, to BAMS-1 topper Ekta and BAMS-2 topper Tanvi. Former Principal of M.S.M. Institute of Ayurveda, Dr. Vijay Kaushik announced to honor BAMS final year topper from next year. On this occasion, former students Hukum Kaur, Sandhya, Dr Anjali, Poonam and others shared experiences of their student life. The selfie points created at the venue were the center of attraction among the alumni.

Dean, Academic Affairs Prof. Sanket Vij, Registrar Prof. Neelam Malik, Alumni Director Dr. Vivek Aggarwal, Dean, Student Welfare Prof. Shweta Hooda, Controller of Examinations Dr. Sandeep Dahiya, Director Public Relations Lt. Col. (Dr.) Anil Balhara along with Deans, heads of departments, professors, non-teaching staff, research scholars and students were present on the occasion.

Tags: Bhagat Phool Singh's vision | women education and empowerment | equality to women | VC Prof Sudesh

PREVIOUS ARTICLE Sarkaar Vapaar Milni proves boon for traders
NEXT ARTICLE If you don't have mental health, then everything else is a waste: Kareena Kapoor...

RELATED POSTS
HC seeks action plan from Delhi govt, police to tackle...
99% Indians don't believe that the constitution of India...
ICAI President unveil the institute's vision "Drishti"

COMMENTS
Name
Email
Comment
I'm not a robot reCAPTCHA Privacy - Terms
Post Comment

PUNJAB WELCOMES YOU OPENING CEREMONY KHALSA COLLEGE S. BHAGWANT SINGH MANN Chief Minister, Punjab

SATURDAY 24TH OF FEBRUARY 2024 10:47:15 PM

POPULAR POSTS
Weekly Posts
61st Annual Fair of Shree Sidh Baba Keshav Nath Ji celebrated...
Bharat Financial Inclusion Limited bags the best CSR initiative...
'ਆਪ ਦੀ ਸਰਕਾਰ, ਆਪ ਦੇ ਦੁਆਰ' ਤਹਿਤ ਜ਼ਿਲ੍ਹੇ 'ਚ ਆਯੋਜਿਤ ਕੈਂਪਾਂ...
Actor Binnu Dhillon opens TVISVA Jewels outlet
Farmers protest: Who's graph on stake (IANS Column: FairPoint)

FOLLOW US
Facebook Twitter Pinterest Linkedin Youtube Email

RECOMMENDED POSTS
Nation 'Farmers first' policy is Modi govt's resolve to boost...
(IANS Review) 'Article 370' sets the record straight on...
Surily G's return to the runway
Consuming over 22 per cent protein daily may clog your...
Farmers protest: Who's graph on stake (IANS Column: FairPoint)
Protect our Constitution, says Himachal CM on R-Day

GUEST POST
For advertisement, news, article, guest post, feature etc please contact us: cityairnews@gmail.com

© 2020 Cityairnews - All Rights Reserved. Designed & Developed By: TechieFormation Terms & Conditions Privacy Policy

भगत फूल सिंह पर क्रेडिट आधारित 2 एड ऑन कोर्स शुरू होंगे

जयंती पर महिला विश्वविद्यालय की वी.सी. ने की घोषणा

गोहाना मुद्रिका, 24 फरवरी : भगत फूल सिंह के जीवन चरित्र और उनके त्याग की अवधारणा को आम जनमानस तक पहुंचाने के लिए नई शिक्षा नीति-2020 के तहत "गुरुकुल परंपरा और भगत फूल सिंह जी का दर्शन" विषयक दो क्रेडिट आधारित एड ऑन कोर्स शुरू किया जाएंगे।

यह घोषणा शनिवार बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय की वी.सी. प्रो सुदेश ने की। अवसर भगत फूल सिंह की जयंती का था। महिला विश्वविद्यालय के पुरोधा की जयंती पर यज्ञशाला में हवन हुआ। इस में वी.सी. प्रो सुदेश तथा उनके पति प्रो हवा सिंह ने मुख्य यजमान रहे। बहन शकुंतला देवी ने पूरे विधि-विधान से यज्ञ संपन्न कराया।

प्रो सुदेश ने कहा कि महिला विश्वविद्यालय मात्र शिक्षण संस्थान ही नहीं, बल्कि महान शिक्षाविद् भगत फूल सिंह की तपोस्थली है। यह विश्वविद्यालय उनके बलिदान और उनकी प्रेरणा से नारी शिक्षा व सशक्तिकरण में जन भागीदारी का जीवंत उदाहरण है।

वी.सी. प्रो सुदेश ने कहा कि नारी शिक्षा और सशक्तिकरण के उद्देश्य को पूरा करने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन लगातार प्रयत्नशील है। उन्होंने कहा कि भगत फूल सिंह और बहन सुभाषिनी देवी के विचार व नारी शिक्षा में योगदान को जन-जन तक पहुंचाने के लिए उनसे जुड़े संस्मरणों का दस्तावेजीकरण प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा। इसी उद्देश्य के साथ विश्वविद्यालय में बहन सुभाषिनी देवी शोध पीठ की स्थापना की जा रही है।

इस अवसर पर बहन शकुंतला देवी ने भी भगत फूल सिंह के जीवन से जुड़ी यादें साझा की। इस अवसर पर बहन कमला, ज्ञानवती, ब्रह्म वती, साहिब कौर, डॉ. नीलम मलिक आदि भी उपस्थित रहीं।

भगत फूल सिंह पर क्रैडिट आधारित 2 एड ऑन कोर्स होंगे शुरू

हवन में आहुति डालते हुए प्रो. सुदेश और उनके पति प्रो. हवा सिंह ।(अरोड़ा)

गोहाना, 24 फरवरी (अरोड़ा): भगत फूल सिंह के जीवन चरित्र और उनके त्याग की अवधारणा को आम जनमानस तक पहुंचाने के लिए नई शिक्षा नीति-2020 के तहत 'गुरुकुल परंपरा और भगत फूल सिंह जी का दर्शन' विषयक 2 क्रैडिट आधारित एड ऑन कोर्स शुरू किया जाएंगे।

यह घोषणा शनिवार बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय की वी.सी. प्रो सुदेश ने की। अवसर भगत फूल सिंह की जयंती का था। महिला विश्वविद्यालय के पुरोधा की जयंती पर यज्ञशाला में हवन हुआ।

इसमें वी.सी. प्रो सुदेश तथा उनके पति प्रो. हवा सिंह मुख्य यजमान रहे। बहन शकुंतला देवी ने पूरे विधि-विधान से यज्ञ सम्पन्न कराया।

प्रो. सुदेश ने कहा कि महिला विश्वविद्यालय मात्र शिक्षण संस्थान ही नहीं, बल्कि महान शिक्षाविद् भगत फूल सिंह की तपोस्थली है। यह विश्वविद्यालय उनके बलिदान और उनकी प्रेरणा से नारी शिक्षा व सशक्तिकरण में जन भागीदारी का जीवंत उदाहरण है।

वी.सी. प्रो. सुदेश ने कहा कि नारी शिक्षा और सशक्तिकरण के उद्देश्य को पूरा करने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन लगातार प्रयत्नशील है।

उन्होंने कहा कि भगत फूल सिंह और बहन सुभाषिनी देवी के विचार व नारी शिक्षा में योगदान को जन-जन तक पहुंचाने के लिए उनसे जुड़े संस्मरणों का दस्तावेजीकरण प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा। इसी उद्देश्य के साथ विश्वविद्यालय में बहन सुभाषिनी देवी शोध पीठ की स्थापना की जा रही है।

इस अवसर पर बहन शकुंतला देवी ने भी भगत फूल सिंह के जीवन से जुड़ी यादें सांझा कीं। इस अवसर पर बहन कमला, ज्ञानवती, ब्रह्म वती, साहिब **कौर, डॉ. नीलम मलिक आदि भी उपस्थित रहीं।**